



आर्द्ध उमा सी० मिटिंग 26/4/2012 - भारत  
Page 100

आज दिनांक 30/4/2012 को शहर० आर्द्ध उमा जारी हुए।  
के द्वीपस्थित नियंत्रण के लिए इसमें नियंत्रणीय समैये अन्य देशों  
में से एक।

1. राज्य प्रदेश मिटिंग —  
2. श्री श्री बोरा —  
3. श्री रामेश भवाराम —  
4. श्री एस० कौ० मिया —  
5. श्री कनिश गाडिया —  
6. श्री धौरस० धूम (बृ. बामा)  
7) श्री रमाकौर दुबे — Ramakant  
8) श्री बी. के. शाह — B.K. Shah  
लाय ही मिटिंग इन्डिया पर चर्चा हुई।

① मिटिंग व्यवसाय के सबंधितरण हेतु चर्चा

सचिव के द्वारा मिटिंग व्यवसाय के सबंधितरण।  
व्यापारी उरले हुवे जाननीय एकलों के सम्मुख रुप कि इसके  
व्यवसाय में इस वेद भवीन उमा को दर्शावते हुवे  
सबंधितरण नहीं किया गया था। जिस पर उद्योग अवृद्धि ने  
लेय सभी व्यवसाय उरले हेतु संचालक संचालनाले रोजगार  
एवं उत्पादन ले किए हुवे हुवे जिस सबंधितरण से  
पात्र किया गया तो ऐसी सहायता के कुछ लिये गए हुवे  
अर्थ हेतु लालह तिमा। जिसका सुनान उत्पादनायीयीयी हरा सुन्दर  
प्रैटि को लिया तो उस द्वारा अप्रैटि अवल के लायर उत्पादन बना।  
व्यवसाय व्यवसाय के प्रारम्भ किये गये वाले नवीन व्यवसाय के  
सबंधितरण हेतु चर्चा।

सचिव द्वारा उन्नेका वित्त एवं पर चर्चा प्रारंभ करते  
हुवे जहाँ जामा कि आर्द्ध उमा श्री द्वारा प्रारम्भ किये गये  
वाले नवीन व्यवसाय के सबंधितरण होना है जिस पर एवं उत्पादन  
भरकुर संचालक संचालनाले रोजगार एवं उत्पादन एवं प्रैटि  
जमा उरे साथ ही संग्रह आवश्यक कार्यवाली रण किया जावे।

आर्द्ध उमा सी० मिटिंग 26/4/2012 - भारत  
Page 100

आज दिनांक 30/4/2012 को शहर० आर्द्ध उमा जारी हुए।  
के द्वीपस्थित नियंत्रण के लिए इसमें नियंत्रणीय समैये अन्य देशों  
के बीच विवाद हुए।

1. राज्य प्रधान मित्रादी — —  
2. श्री श्री० बोरा — —  
3. श्री रामेश भवाराम — —  
4. श्री० एस० कौ० मिश्र — —  
5. श्री० कृष्ण गाडिया — —  
6. श्री० धौरस० घुरु (बृ. बामार०)  
7) श्री रमाकौर दुबे — —  
8) श्री बी. के. शाह — —  
लाय ही मिश्र इंजेंजर पर चर्चा हुई।

① किस व्यवसाय के सबंधितरण होते चर्चा?

सचिव के द्वारा किस व्यवसाय के सबंधितरण।  
व्यापारी उरले हुए जननीय एकलों के सम्बुद्ध रूप कि इसके  
व्यवसाय में इस वेष मरीन उमा को दर्शाते हुए  
सबंधितरण नहीं किया गया था। जिस पर उद्योग अवृद्धि ने  
लेय मरीन एवं उत्तर द्वीपस्थित संचालक संचालनालय राजगार  
एवं उशिसग द्वे केन्द्रकाली होते हुए जिसे सबंधितरण से  
पाला उमा गया है एवं सदृश्यता के केन्द्रकालीन द्वे  
अखेत हुए एलाह उमा। जिसका सुनान उशिसगायी थी वहा सुनेव  
प्रेय के लिए द्वे द्वे अखेत अथवा द्वे लंबारुड्डी वाम।  
परीन वर्णन में प्रारम्भ किये गये वाले नवीन व्यवसायों के  
सबंधितरण होते चर्चा।

सचिव द्वारा उन्नेका वित्त एवं पर चर्चा प्रारंभ करते  
हुए जनाया गया कि आर्द्ध उमा श्री० द्वारा प्रारम्भ किये गये  
वाले नवीन व्यवसाय के सबंधितरण होना है जिस पर एवं उपर्युक्त  
भरकुर संचालक संचालनालय राजगार एवं प्रिशिसग एवं पुरुष  
जमा उत्तर साथ ही संग्रहल आवश्यक कार्यवाली रण किया जावे।